(3) परीक्षा की योजना एवं पाठ्यक्रम- माध्यमिक शिक्षक गायन वादन

1. **सभी प्रश्न अनिवार्य होंगें।**
2. **चयन परीक्षा हेतु 100 अंकों का एक प्रश्नपत्र होगा। परीक्षा की अवधि 2 घंटे होगी।**
3. **चयन परीक्षा के सभी प्रश्न बहुविकल्पीय (MCQ) प्रकार के होंगे, जिनके चार विकल्प होंगे जिसमे एक विकल्प सही होगा।**
4. **प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा।**
5. **प्रश्न पत्र 100 अंक का होगा एवं इस प्रश्नपत्र में 100 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जायेंगें।**
6. **विषयवस्तु का स्तर- विषयवस्तु का स्तर स्नातक स्तर के समकक्ष होगा।**

माध्यमिक शिक्षक संगीत - गायन वादन

इकाई	विषय वस्तु
इकाई-1	काल विभाजन के आधार पर भारतीय संगीत के इतिहास का विस्तृत अध्ययन एवं विभिन्न कालों में रचित संगीत ग्रन्थों की जानकारी :- ▪ भारतीय संगीत की यात्रा वैदिक काल से आधुनिक काल तक। ▪ संगीत के इतिहास काल का विभाजन। ▪ उत्तरभारतीय संगीत का संक्षिप्त विवरण। ▪ स्वतंत्र भारत में संगीत। ▪ संगीत के प्राचीन एवं मध्यकालीन प्रमुख ग्रन्थों की जानकारी।
इकाई-2	संगीत में ध्वनि एवं स्वर-शास्त्र व संगीत के सप्तक का विकास ▪ ध्वनि, ध्वनि के प्रकार, कम्पन या आंदोलन, आवृत्ति कालमान डोल, उपस्वर। ▪ नाद व नाद के प्रकार, नाद के लक्षण- तारता, तीव्रता, गुण। ▪ सप्तक व सप्तक के प्रकार। ▪ सेमीटोन, मेजर टोन व माइनरटोन का परिचय। ▪ स्केल – डायटोनिक स्केल, नेचुरल स्केल, टेम्पर्ड स्केल की जानकारी।
इकाई-3	संगीत के आधारभूत पारिभाषिक शब्दों का ज्ञान संगीत, संगीत की पद्धति, श्रुति, स्वर व स्वर के प्रकार, ठाठ (थाट), अलंकार, राग, आरोह, अवरोह, पकड़, वादी, सम्वादी, विवादी, अनुवादी, राग की जातियां, आलाप, बोल आलाप, तान, बोलतान, भीड़ सूत, मुर्की, खटका, घसीट, जगजमा, क्रन्तन, गमक, झ्ठाला, तोड़ा, कण, गत (मसीतखानी व रजाखानीगत), आविर्भाव, तिरोभाव, स्थाई, अंतरा।
इकाई-4	▪ हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति में ठाठ का विकास एवं ▪ राम के भेद व कर्नाटक पद्धति के 72 ठाठ (मेल) की जानकारी- ▪ हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति के 10 (दस) ठाठ व उनका स्वर-विवरण। (1) कल्याण (6) मारवा (2) विलावल (7) आसावरी (3) खमाज (8) पूर्वी (4) काफी (9) भैरवी (5) भैरव (10) तोड़ी ▪ शुद्ध, छायालग व संकीर्ण राग। ▪ ठाठ व राग की तुलनात्मक अध्ययन।
इकाई-5	निम्नलिखित रागों का विस्तृत सैद्धान्तिक व क्रियात्मक ज्ञान- ▪ कल्याण ठाठ - भूपाली, कामोद, गौड़ सारंग। ▪ बिलावल ठाठ - शंकरा, देशकार, अल्हैया बिलावल। ▪ खमाज ठाठ - तिलक कामोद, तिलंग, जयजयंवती। ▪ काफी ठाठ - वृन्दावनी सांरग, मियाँ मल्हार शिवरंजनी। ▪ भैरव ठाठ - विभास, रामकली, नट भैरव। ▪ मारवा ठाठ - पूरिया, सोहनी, भटियार। ▪ आसावरी ठाठ - दरबारी कान्हड़ा, जैनपुरी, अड़ाना। ▪ पूर्वी ठाठ - पूरिया धनाश्री , बसंत, परज। ▪ भैरवी ठाठ - मालकौंस, भैरवी,। ▪ तोड़ी ठाठ - मुलतानी, तोड़ी।
इकाई-6	स्वर लिपि एवं तालिपि पद्धति

www.newsjobmp.com

	▪ प. भातखण्डे स्वरलिपि व तालिपि एवं प. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर की स्वरलिपि व ताल लिपि पद्धति का तुलनात्मक अध्ययन। मानक ▪ स्वर चिन्ह ▪ सप्तक चिन्ह ▪ स्वर मान ▪ तालिपि ▪ स्वर सौन्दर्य
इकाई-7	प्राचीन एवं मध्यकालीन एवं आधुनिक शस्त्रकारों द्वारा श्रुति स्वर विभाजन का विस्तृत अध्ययन :- ▪ 22 (बाईस) श्रुतियों पर प्राचीन पद्धति से शुद्ध स्वरों की स्थापना। ▪ 22 (बाईस) श्रुतियों पर आधुनिक पद्धति से बारह स्वरों की स्थापना।
इकाई-8	गायन और वादन शैलियों का विस्तृत ज्ञान- निबद्ध व अनिबद्ध गान) ध्रुपद, ध्रुपद की वाणियां, ख्याल, टप्पा, तराना, ठुमरी, लक्षण गीत, सरगम गीत, होरी , दादरा, खमसा, सादरा, लावणी कजरी, चैती, चतुरंग, तिबवट, कव्वाली , गजल, भजन, कीर्तन, लोकगीत, चित्रपट संगीत।
इकाई-9	ताल ज्ञान व ताल के दस प्राण – ▪ ताल संबंधी आधारभूत ज्ञान, लय व लय के प्रकार, ताल सम, खाली, ताली (भरी), मात्रा, विभाग, आवर्तन, ठेका, टुकड़ा, ठाह, दुगुन, चौगुन, उठान, कायदा, पलटा, रेला, पेशकार, तिहाई, परन, लग्गी, लड़ी। ▪ निम्नलिखित तालों का विस्तृत ज्ञान – चौताल, तीव्र, तिलवाड़ा, दीपचंदी, भूमरा, आड़ा, चारताल, घमार, तीनताल, एकताल, दादरा, कहरवा , रूपक, भुपताल आदि (गृह ,दुगुन, चौगुन, आड़, कुआड़ साहित)
इकाई-10	भारतीय मतानुसार वाद्य वर्गीकरण का सामान्य परिचय एवं प्रचालित वाद्ययंत्रों की ट्यूनिंग प्रोसेस- वाद्यों की विभिन्न श्रेणियाँ ▪ तत् वित्त वाद्य - तानपुरा, सितार, वीणा, सरोद, सारंगी, गिटार, वायलिन आदि ▪ सुषिर वाद्य - बाँसुरी, हार्मोनियम, क्लारनेट, शहनाई, बीन, शंख आदि ▪ अवनद्ध वाद्य - तबला, ढोलक, मृदंग, ढोल पखावज, डमरू, नगाड़ा, खंजरी, डफली आदि। ▪ घन वाद्य - जलतरंग, मंजीरा, झांझ , करताल, घुँघरू आदि ▪ प्रचलित वाद्ययंत्रो जैसे - तानपुरा, सितार, तबला, ढोलक, गिटार व वॉयलिन को मिलाने या ट्यून करने की विधि की जानकारी।
इकाई-11	राग-समय सिद्धान्त एवं सन्धि प्रकाश रागे की जानकारी- परमेल प्रवेशक राग- स्वर एवं समय अनुसार रागों का विभाजन -पूर्वराग -उत्तर राग -पूर्वांगवादी राग -उत्तरांग वादी राग ▪ सन्धि प्रकाश रागों की जानकारी ▪ परमेलप्रवेशक रागों की जानकारी
इकाई-12	रागों के लक्षणों की विस्तृत जानकारी (प्राचीन व आधुनिक) ▪ गृह, अंश, न्यास, उपन्यास, मंदृत्व-तारत्व, अल्पत्व, बहुत्व, औड़व- षाड़व। ▪ ठाठ, आरोह, अवरोह, जाति, वादी, सम्वादी, पकड़ न्यास के स्वर, पूर्वाङ्ग -उत्तराङ्ग, गायन समय, आविर्भाव -तिरोभाव, राग का रस ।
इकाई -13	गायन एवं वादन के घरानों का विस्तृत ज्ञान – ▪ गायन के घराने – ग्वालियर घराना, जयपुर घराना, पटियाला घराना, किराना घराना, आगरा घराना, दिल्ली घराना, मेवाती घराना, भिण्डी बाजार घराना । ▪ वादन (तबला) के घराने - वाराणसी घराना, दिल्ली घराना, अजराड़ा घराना, लखनऊ घराना, पंजाब घराना, फरूखाबाद घराना, ▪ तंत्र वाध के घराने- मेहर घराना, सेनिया घराना ।
इकाई -14	गायन एवं वादको के गुण-दोषों का विस्तृत अध्ययन :- ▪ गायन- स्वर संबंधी, श्रुति संबंधी, आवाज, लय, ताल, मुद्रा, भाव, रस, अभ्यास, नियम, उच्चारण, श्वास संबंधी गुण एवं दोष

www.newsjobmp.com

	▪ वादन- लय, ताल, समय, स्वर, दृढ़ता, ध्वनि संतुलन,शास्त्र संबंधी गुण एवं दोष ▪ (नोट – इसके अतिरिक्त सभी गुण – दोषो का अध्ययन आवश्यक है।)
इकाई –15	संगीत और रस/राग और ऋतुये/ताल और रस रागों का रस एवं भावों से संबंध – ▪ स्वर अनुसार राग का रस से संबंध । जैसे – श्रृगार, वीर, करूण, हास्य,वीभत्स, भयानक, अद्‌भुत, शांत, रोद्र, ▪ ऋतुओं के अनुसार रागों की जानकारी – ▪ विभिन्न ताल एवं रस का अर्न्तसंबंध । ▪ मनुष्य के मनोभावों का संगीत से संबंध ।
इकाई-16	भारत के प्रसिद्ध संगीतज्ञों का संगीत के क्षेत्र में योगदान (गायन/वादन) – ▪ तानसेन, सदारंग-अदारंग, उस्ताद अलाउद्दीन खॉं, पं. विष्णु नारायण भातखण्डे, जाकिर हुसैन, उस्ताद अमजद अली खॉं, विलायत खॉं, डॉ. एन.राजम, अल्ला रक्खा खॉं, पंडित रविशंकर, हरिप्रसाद चौरसिया, ▪ संगीत में भारत रत्न विभूषित संगीतकारों का योगदान
इकाई-17	राष्ट्रगान, राष्ट्रीयगीत, मध्यप्रदेश गान, एवं प्रचलित देश भक्ति गीतो की विस्तृत जानकारी – ▪ रचयिता /गीतकार ▪ संगीतकार । ▪ गायक/गायिका / कोरस । ▪ आधारभूत राग एवं ताल ।
इकाई-18	मध्यप्रदेश का लोक संगीत (गायन/वादन) ▪ मध्यप्रदेश के विभिन्न अंचलों के लोकगीत जैसे – मालवी, निमाड़ी, बघेली, बुन्देलखण्डी आदि । ▪ पारम्परिक वाद्य यंत्र ।
इकाई-19	संगीत के क्षेत्र मे राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय सम्मान/ पुरूस्कार एवं समारोहों की जानकारी ▪ सम्मान/पुरूस्कार – संगीत नाटक एकेडमी पुरूस्कार , तानसेन सम्मान, कालिदास सम्मान, लता मंगेशकर सम्मान, किशोरकुमार सम्मान, शिखर सम्मान, कुमार गंधर्व सम्मान एवं अन्य। ▪ समोरोह – तानसेन समारोह, अलाउद्दीन खॉं समारोह, आमिर खॉं समारोह, कुमार गंधर्व समारोह कालीदास समारोह एवं अन्य।
इकाई-20	संगीत शिक्षण में कौशलात्मक विकास – (स्वर ज्ञान, अलंकार, राग, ठाठ, ताल संबंधी कौशलात्मक प्रश्न) जैसे ▪ स्वर-समूहों के माध्यम से ठाठ व रागों की पहचान। ▪ ताल के बोलों को पूरा करना। ▪ किसी ताल में खाली, भरी, सम दिखाने का कौशल। ▪ स्वर लिपि व तालिपि मे दुगुन, चौगुन, अठगुन करने का कौशल। ▪ स्वर समूह में स्वरों की संख्या के आधार पर राग की जाति पहचानना। ▪ स्वरों की प्रधानता के आधार पर पूर्वांगवादी व उत्तरांगवादी राग पहचानना। ▪ लय एवं लयकारी से संबंधित कौशल आधारित प्रश्न। ▪ किसी स्वर की आंदोलन संख्या देकर अगले स्वरों की आंदोलन संख्या ज्ञात करना। ▪ संबंधित कौशलात्मक प्रश्न

www.newsjobmp.com